PRERNA COLLEGE OF COMMERCE
(Run by PRERNA SEWA MANDAL, Redg. No. Sr Act 1860-370/83, BPT Act – 1950. F/3826)
Reshimbag Square, Nagpur – 24
Govt. Recognised & Affiliated to Rashtrasant Tukadoji Maharaj, Nagpur University
NAAC (UGC) ACCREDITED INSTITUTION 'B' GRADE (CGPA – 2.32)
Ph.: 2745296, 2746840 E-mail : prernacollegengp@gmail.com
Website: www.prernacollegeofcommerce.com

REPORT ON

Essay Writing Competition on the Occasion of 'Azadi ka Amrit Mahotsav'

Organized by: Extra Curricular Committee, Prerna College of Commerce
Program Co-ordinators: Ms Afsha Khan
Judges: - Ms Priti Shruti Agarwal
Date and Time: 02 August, 2022 from 11:30 am to 12:30 pm.

Objectives: -

1. To help the students to exhibit their creative skills.
2. To improve the formation, articulation and presentation of facts.
3. To help students to develop their professional arguments about the topic.
4. The competition aims to encourage and expand the innovative and creative thinking among the students.

Highlights: -

1. The Essay Writing Competition was organized to celebrate 'Azadi ka Amrit Mahotsav'. The Essay Writing competition was conducted in virtual mode. On 2nd August, 2022.
2. Ms Afsha Khan elaborated the purpose of conducting the Essay Writing competition and explained the rules for the participants.
3. Dr Liladhar Rewatkar, Officiating Principal inaugurate the competetion and threw light on the importance of essay writing competition and appreciated the coordinators for organizing the successful execution of the event. He also shared his knowledge regarding the celebration of 'Azadi ka Amrit Mahotsav'.
4. The participants gave their Essay on the topics - 1) Azadi ke 75 saal me Bharat ka Yikas. 2) India of my dream. 3) My expectation from India in next 25 years. 4) Indian democracy successful or failure.
5. Total 23 students participated in the competition.
6. 1st prize was given to Sakshi Hedaoo for her excellent performance, 2ndprize was given to Unnati Maske, 2ndrunner up was Himanshu Lichade for his best performance.

Outcome: -

1. Students got an opportunity to get out of their comfort zone and showcase their talent.

2. The event helped in developing the students holistically.

3. Students got a platform for getting themselves into University and Statelevel events.

4. The essay writing competition helped the students is to encourage creativity and leadership skills.

5. The event worked as a stress buster and helped the students in boosting theirmental health.

No. of Beneficiaries: 23 students.

Program Coordinator: Dr Afsha Khan, Assistant Professor, Department of Computer Application.

PRERNA COLLEGE OF COMMERCE

Name :- Sakshi Ajay Hedaoo

Class :- B.com IIIrd year

Section :- B

Essay Topic :- Azadi Ke 75 saal me Bharat Ka Vikas

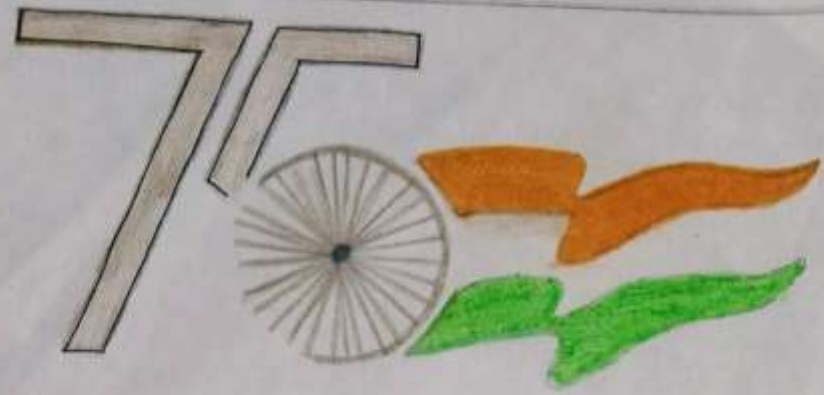

Azadi Ke 75 Saal me Bharat Ka Vikas

One Nation, One Vision, One Identity

"No Nation is Perfect, it needs to be made Perfect."

Meri Pehchaan Mera India

भारत आज एक स्वतन्त्र देश है। 15 अगस्त सन 1947 को हमारा देश भारत गुलामी की जंजीरों से मुक्त हुआ था। अंग्रेजों के शासन से मुक्ति के बाद भारत दो भागो मे बंट गया और एक नए भारत का जन्म हुआ। जो आर्थिक रूप से बेहद कमजोर था। आज 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाता भारत हर क्षेत्र मे विकास के पथ पर अग्रसर है। बीते कुछ वर्षों मे भारत ने हर क्षेत्र मे विदेशों पर अपनी निर्भरता को क करते हुए आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा दिए है। अब भारत हर रोज आत्मनिर्भर होने की तरफ छोटे-छोटे लेकिन मजबूत कदम बढ़ा रहा है।

15 अगस्त 1947 को अंग्रेजी हुकूमत की नींव उखाड़कर भारत ने स्वतंत्रता प्राप्त की थी। हालांकि इस आजादी के साथ-साथ देश को बंटवारे का दंश भी झेलना पड़ा।

लेकिन अब भारत को आजाद हुए सात दशक बीत चुके है। इन बीते सात दशकों मे भारत ने विकास के कई अहम पड़ाव पार कर लिए है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत ने हर क्षेत्र मे विकास के पथ पर अपने छोटे-छोटे कदम बढ़ाने शुरू कर दिए है।

बीते कुछ वर्षों मे भारत ने हर क्षेत्र मे विदेशों पर अपनी निर्भरता को खत्म करने के उद्देश्य से भारत को आत्मनिर्भर भारत बनाने की तरफ अपने कदम बढा दिए है। अब भारत हर रोज आत्मनिर्भर होने की तरफ छोटे-छोटे लेकिन मजबूत कदम बढा रहा है।

भारत अपनी आजादी की 75वी वर्षगाँठ का जश्न मना रहा है। यह सभी देशवासियो के लिए विशेष अवसर है। 15 अगस्त 1947 को देश सैकडो वर्षों की गुलामी की बेड़ियो से आजाद हुआ। तब से लेकर अब तक सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सैन्य, खेल एव तकनीकि क्षेत्र की विकास यात्रा मे देश ने अपनी एक पहचान बनाई है। 75 वर्षों की इस विकास यात्रा मे नए कीर्तिमान बने है। आज भारत की पहचान एक सशक्त राष्ट्र के रूप मे है। यह अनायास नही है। दुनिया आज भारत की तरफ देख रही है। बीते 75 सालो मे अपनी अंदरूनी समस्याओ, चुनौतियो के बीच देश ने ऐसा कुछ जरूर हासिल किया है, जिसकी तरफ देख रही है। देश के पास गर्व करने के लिए उपलब्धिया है तो अफसोस जताने के लिए वजह भी है।

"भारत तुझे आत्मनिर्भर बनना है
धरती फिर से उगलेगी सोना
खेतो को फिर से भरना होना है
अगर आए कभी आपदा कोई
तब भी डटकर सामना करना है।"

आत्म-निर्भर भारत की ओर बढता देश

भारत ने हालांकि इन 75 सालो मे हर क्षेत्र मे काफी विकास किया है। भारत ने बैलगाडी से लेकर चंद्रयान-2 तक का सफर अकेले अपने दम पर तय किया है।

नए नए आविष्कारों, खोजे और तकनीकि विकास से भारत ने विश्व मे अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

आज विश्व समुदाय भारत की तरफ बडे उम्मीद व आशा भरी नजरो से देखता है।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते भारत की उपलब्धियां

1) आई टी के क्षेत्र मे एक नया मुकाम

भारत ने आईटी के क्षेत्र मे भी उल्लेखनीय उपलब्धिया हासिल कर पुरे विश्व को आश्चर्यचकित कर दिया है। अभी हाल ही मे भारत की रेल पटरी पर भारत मे निर्मित "वंदे भारत एक्सप्रेस" ने फर्राटे से दौड़ लगाई। यह ट्रेन पूरी तरह से भारत के "मेक इन इंडिया प्रोग्राम" के तहत बनी हुई है। यह ट्रेन पूरी तरह से स्वदेशी टेक्नोलॉजी से निर्मित है।

"Our future success is directly proportional to our ability to understand, adopt and integrate new technology into our work."

2) एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

भारत की अर्थव्यवस्था आज एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थ-व्यवस्था मानी जाती है। आजादी के बाद भारत तेजी से विश्व शक्ति बन-कर उभरा है। जिस कारण से आज सम्पूर्ण विश्व भारत का लोहा मानता है।

3) अंतरिक्ष मे छाया है भारत

भारत ने अंतरिक्ष मे भी अच्छ उपलब्धिया हासिल की है। 19 अप्रैल 1975 ही वह तारीख है जब इसरो ने अंतरिक्ष युग की दुनिया मे प्रवेश कर एक अभूतपूर्व कीर्तिमान रचा था। भारतीय वैज्ञानिकों ने देश के पहले 360 किलोग्राम वजनी उपग्रह आर्यभट्ट को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतारने की कोशिश की थी। चंद्रयान 2 पूर्णतया स्वदेशी था।

सी) सैन्य शक्ति का विस्तार

भारत ने अपनी सैन्य शक्ति का अभूतपूर्व विस्तार किया है। अत्याधुनिक हथियारों, उपकरणों के साथ साथ राफेल से भी हमारी सेना सुसज्जित हो गयी है। दुनिया की सबसे तेज क्रूज मिसाइल "ब्रह्मोस" को सैन्य रक्षा प्रणाली मे शामिल किया गया है, जिसे भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है।

डी) कृषि क्षेत्र मे विकास

भारत कृषि क्षेत्र मे भी विकास का आत्मनिर्भर बन चुका है। आजादी के बाद भारत ने कृषि क्षेत्र मे अभूतपूर्व विकास किया है। उत्पादन के मामले मे भारत ने कई देशो को पीछे छोड़ दिया है। भारत दालों का सबसे बड़ा उत्पादक है। चीनी का यह दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है और कपास का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत पशुधन के मामले मे भी सम्पन्न राष्ट्र है। जिस कारण भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध और मक्खन उत्पादक भी है।

इन सभी उपलब्धियों के साथ, भारत ने औद्योगिक क्षेत्र मे सराहनीय प्रगति की है। जो आत्मनिर्भर भारत कि दिशा मे एक महत्वपूर्ण कदम है। संचार क्रांती के क्षेत्र मे तेजी से विकास करके, भारत जल्द ही प्रौद्योगिकी के क्षेत्र मे नई ऊंचाइयों पर पहुँच जाएगा।

" देशभक्ति मतलब सिर्फ झण्डा को लहराना नही है
बल्कि अपने देश को मजबूत और
सक्षम बनाने मे सहायता करना भी है।"

कृषि के क्षेत्र मे देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। एक ऐसे देश से जिसमे खाद्यान्न की अत्यंत कमी थी तथा लोग भूख से मर रहे थे, यह एक आधिक्य खाद्यान्न वाला देश बन गया है। एक ऐसा समय था जब हमे पीएल480 पर निर्भर होना तथा अमरीका से घटिया गुणवत्ता के अनाज का इंतजार करना पड़ता था। इसका श्रेय हरित क्रांति को जाता है कि अब हम एक मजबूत स्थिति मे है। हालांकि किसानों की आर्थिक स्थिति उसी अनुपात मे नही सुधरी है। एक ऐसे देश से जो 1947 मे सुइयों के लिए भी विदेशों पर निर्भर

था। इसने एक लम्बा सफर तय किया है तथा वस्तुओं के उत्पादन तथा निर्माण में अच्छी कारगुजारी दिखा रहे हैं। अब आत्मनिर्भर बनने का तथा नारा प्रचलित है तथा हम न केवल नागरिकों के इस्तेमाल के लिए वस्तुओं का उत्पादन कर रहे हैं बल्कि उच्च स्तर के जहाज, विमान तथा हथियार भी बना रहे हैं।

आम आदमी को सशक्त बनाने के लिए बीते दशकों में सरकार जनकल्याणकारी नीतियाँ और योजनाएं लेकर आई। योजनाओं का लाभ गरीबों एवं कमजोर वर्गों तक पहुंचाया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, मनरेगा जैसे कार्यक्रमों एवं योजनाओं ने आम आदमी को सशक्त बनाया है। इन महत्वाकांक्षी योजनाओं की विकास की गति तेज हुई। लेकिन यह भी सच है कि सरकार की इन योजनाओं को पूरी तरह से लागू नहीं किया जा सका। फिर भी इन योजनाओं का लक्ष्य आम आदमी को राहत पहुंचाना है। इन विकास योजनाओं के बावजूद देश से गरीबी, पिछड़ापन दूर नहीं हुआ है। विकास से जुड़ी समस्याएं अभी भी मौजूद हैं।

उदारीकरण के दौर के बाद भारत तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा है। आर्थिक, सैन्य एवं अंतरिक्ष क्षेत्र में इसने सफलता की बड़ी छलांग लगाई है। चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। सैन्य क्षेत्र में भारत एक महाशक्ति बनकर उभरा है। परमाणु हथियारों से संपन्न भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है। मिसाइल तकनीक में दुनिया भारत का लोहा मान रही है। अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत ने नए-नए कीर्तिमान गढ़े हैं। मंगल मिशन की सफलता एवं रॉकेट प्रक्षेपण की अपनी क्षमता के बदौलत भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में महारथ रखने वाले चुनिंदा देशों में शामिल है। आईटी सेक्टर में देश अग्रणी बना हुआ है। इन उपलब्धियों ने देश को सुपरपावर बनाने के दरवाजे पर लाकर खड़ा कर दिया है।

जाहिर है कि आज भारत के पास दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है लेकिन इन सफलताओं एवं उपलब्धियों के बावजूद सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों में ह्रास हुआ है। व्यक्ति से लेकर समाज, राजनीति सभी क्षेत्रों में मूल्यों का पतन देखने को मिला है। सत्ता, पावर, पैसा की चाह ने लोगों को भ्रष्ट एवं नैतिक रूप से कमजोर बनाया है। राजनीति का एक दौर वह भी था जब

इस हादसे की जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय मंत्री अपने पद से इस्तीफा दे दिया करते थे। एक वोट से सरकार गिर जाया करती थी। भ्रष्टाचार में नाम आने पर नेता अपना पद छोड़ देते थे लेकिन आज सत्ता से बने रहने के लिए सभी तरह के समझौते किए जाते हैं और हथकंडे अपनाए जाते हैं। नैतिक पतन के लिए केवल नेता जिम्मेदार नहीं है, मूल्यों का पतन समाज के सभी क्षेत्रों में आया है। इसके लिए किसी एक को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। बेहतर समाज एवं राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। इसके लिए हम सभी को आगे आना होगा। तभी जाकर एक बेहतर भारत और 'न्यू इंडिया' के सपने को साकार किया जा सकेगा।

One Nation, One Vision, One Identity.

"No Nation Is Perfect, it needs to be made Perfect"

Mera Pehchaan Mera India.

Page No.
Date : / /

The Possibility Of India's Becoming Vishwa Guru.

हमारे लिए तो दुनिया दूसरी या तीसरी नहीं होती सिर्फ एक होती है और उसमें सभी सिमट आते हैं।
गोरे-काले, छोटे-बड़े, अमीर-गरिब, पशु-पक्षी, पेड़-पौधे, नदियाँ सागर सभी .....
काले गोरे का भेद नहीं हर दिल से हमारा नाता है। कुछ न आता हो हमको हमे प्यार निभाना आता है।...
जीते है किसी ने देश तो क्या हमने तो दिलो को जीता है जहाँ 'राम' अभी तक नर में, नारी में अभी तक सीता है .....
इतनी ममता, नदियों को जहाँ माता कहके बुलाते है इतना आदर इंसान तो क्या पत्थर भी पूजे जाते है .....
इस धरती मैंने जन्म लिया ये सोच के मैं इतराता हूँ भारत की रहने [पैर] वाली हूँ भारत की बात सुनाती हूँ।

The time has came for India to become "Vishwa guru" once again & emerge as the hub of knowledge & innovation.

India cannot be a Vishwa guru until India become as strong global power, to which the world will look up to & is ready to listen to. without power there is no influence, & without influence, there can be no impact, no respect. pursuit of power is essential if a country or a civilisation wants to make

Page No.
Date : / /

a difference, wants to bring a change. Unfortunately, this is where India is lacking. India's leadership lacks the vision, will, & the mindset to pursue power ethically & to aim to make India great again.

If India wishes to play a meaningful part in changing global scenarios, India must be willing to enter the global game of thrones & play it to win. To do this, it must develop the mindset of what Hindu Texts call: Vijigishu.

Vijigishu means "one who is desirous of victory, one who wants to conquer". it refer to a king or a political leadership which has aspirations to make their country a global power & the vision, competency & willingness to work towards it. It refers to achieve victory. They realise that power by itself is not corrupting & is not an end in itself. Instead power must be used as a means for achieving noble & ethical ends. As the famous verse from chanakya Sutra which says -

"The root of Happiness it dharma or Performance of ethical duties & the root of dharma is Artha is Rajya or country".

That is, the purpose of the political leadership is to gain power & use power for attaining ethical goals.

The concept of ruler as a Vijigishu is Mentioned in Texts including Manusmriti (7.154-159) & Arthashastra (Book 6). In both these Texts, Vijigishu is Mentioned in the context of Mandala theory.

Page No.
Date : / /

The Ideal of Vijigishu is what ancient India rulers aspired for. it was the ideal of vijigishu that ancient Indian teachers & thinkers of polity conceptulized as the way forward for political leadership. it was this aspiration that had made India a global power & a ward-Teacher in the past.

In India will become the chakravartin & the Vishwa guru it once was. All it has to do start with an aspiration to become a Vijigishu.

हमारी एकता हमारी पहचान है,
तभी तो हमारा देश महान है ....

॰ जय हिंद ॰

Himanshu N. Lichade
BCOM 3rd year 5th sem
Prerna college of commerce

The Possibility of India becoming vishwaguru

India is not only biggest importer but also exporter to 21 country Because of technology and manpower Constant growth our country which is Importer can later become Exporter As fossil fuel in Middle East is decreasing our India not only have advantageous culture but also have advantageous in terms of alternative to fossil fuel as it is located between tropic of cancer and tropic of equator belt which can very easily harness solar Energy As chinas main focus is on soft Industry like clothes and toys Indias main focus is on it industry. which makes it leading computer software Producer in world India is 3rd in Pharma, 10th in Patents and 6th in scientific Publication. It is 4th country to orbit around Mars and 4th country to land on moon and 3rd to establish space agency.
Because of several Initiative by govt like Atal Innovation mission, PM education programme Product Development and research have rose to 20.5 Percent. because of 24 Major rivers. India is hydropower Generating country. India have

Rich Heritage which individually As china is dependent on other foreign company. India is dependent on its local producer which is growing to 7.7 percent. if this continues so India can become 2nd GDP country till 2030. Indias college like IIM, IIT, AIIMS is popular in the world which is tough to crack and is very competative that's why it is leader producing country which have given CEO to Big companies its amongst 2nd Doctor Engineer producing country in the world. it should not be brain drain and this happens because of cosmopolitics in India such intelligent people cannot go in Big position as it is already reserve. of Politicson caste system on religion also because of reservation system. There should be single window clearance and ease of doing business should be there our country have huge population. Because of which investing in India and its cheap labour is great opportunity. Because of covid Many company are moving in India also our govt incentives - and Tata investment of 11000 crore for manufacturing of apple in India. Many comp like Foxcon have moved in India which will generate employment also govt will get Tax on there product. Like India have strong Diplomat relation. in India Internet is cheap which will be increasing business of service Industry and online Industry. It depends on Indias youth How to use Net. Many companies are

Strategically planning to capture Market in India Its culture India's History. Its Infrastructure should be developed several ways. Like water, road, air, rail which will reduce the product cost. Megacities should be developed and should be well connected also several scheme had launch to increase Its startups. which will also increase our India's growth